म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

प्रारंभिक अंग्रेज़ी

कक्षा की दैनिक गतिविधियाँ

भारत में विद्यालय
समर्थित शिक्षक-शिक्षा
www.TESS-India.edu.in

CC BY SA
http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid
from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE01v2
Madyha Pradesh
तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है*: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3*
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई आपकी दिनचर्चा के इस प्रकार विकास के बारे में है जिसमें कक्षा में अंग्रेजी भाषा का उपयोग हो। यह विद्यार्थियों के मुख्य कौशलों बोलने एवं सुनने पर केंद्रित है।

जब स्कूल में आप और आपके विद्यार्थी दिन के प्रारंभ और अंत में, तथा औपचारिक पाठों के बीच जो कुछ बोलते हैं। ये सभी पल भाषा सिखाने और सीखने के नियमित अवसर हैं।

आपके विद्यार्थियों के लिए संभवतः आप ही अंग्रेज़ी भाषा के सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं, विशेष रूप से यदि वे अपने घरों या समुदाय में अंग्रेज़ी भाषा के संपर्क में नहीं आते हैं।

आप हो सकता है कि अपनी अंग्रेज़ी भाषा के बारे में 100% आत्मविश्वास महसूस न करते हों। लेकिन अंग्रेज़ी भाषा भिन्न–भिन्न तरह के उच्चारणों, और दक्षता के अलग अलग स्तरों के साथ पूरी दुनिया में स्वीकार्य रूप से बोली जाती है।

हर कोई प्रोत्साहन और अभ्यास के द्वारा अंग्रेज़ी भाषा सीख सकता है। इस इकाई की गतिविधियाँ, केस–स्टडी और संसाधनों का इस प्रकार विकास किया गया है जिससे कक्षा की दिनचर्चा में अंग्रेजी भाषा का उपयोग शुरू करने में आपकी सहायता हो सके।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- कक्षा की दिनचर्या में अंग्रेज़ी भाषा बोलने और सुनने को बढ़ाना।
- अपने विद्यार्थियों के साथ अंग्रेज़ी भाषा के खेलों (English language games) का उपयोग करना।
- अपने स्तर पर अंग्रेज़ी भाषा का अभ्यास करना।

1 शिक्षक वार्ता का प्रयोग करना

आप 'शिक्षक वार्ता' के बारे में सोचकर शुरुआत करते हैं और यह सोचते हैं कि आप अंग्रेज़ी के लिए इसका उपयोग कैसे कर सकते हैं।

गतिविधि 1: 'शिक्षक वार्ता एक योजना गतिविधि

क्या आपने छोटे बच्चों को 'टीचर टीचर' खेलते हुए देखा है? शायद बचपन में आपने भी यह खेल खेला होगा। छात्र शिक्षक की नकल करना पसंद करते हैं और 'शिक्षक वार्ता', या 'कक्षा प्रबंधन' की भाषा, को सीख सकते हैं, हालांकि कोई वास्तव में उन्हें इन शब्दों एवं वाक्यांशों को 'सिखाता' नहीं है। इसलिए आप कक्षा में जो भी कहते और करते हैं, आपके छात्र भी वही कहने और करने लगते हैं। आप इस ज्ञान के उपयोग से स्वाभाविकता एवं विभिन्नताओं के साथ भाषा अभ्यास कर सकतें हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों को अंग्रेज़ी भाषा में पढ़ें। इन्हें आप ऊँची आवाज़ में स्वयं पढ़ें एवं एक सहकर्मी के साथ पढ़ें।

आप कक्षा में अपने विद्यार्थियों के साथ पहले से जिनका उपयोग करते हैं, उन पर निशान लगाएँ।

- 'गुड मॉर्निंग/गुड आफ्टरनून/गुड इवनिंग, छात्र/क्लास। (Good morning/good afternoon/good evening, students/class.)'
- 'कृपया बैठ जाएँ/हाँ, अब आप बैठ सकते हैं।' (Please sit down/Yes, you may sit down now.)'
- 'कृपया खड़े हो जाएँ। (Please stand up.) धन्यवाद (Thank you!)'
- 'कृपया बात करते समय खड़े रहें। (Please stand up when you speak.)'
- 'यह शब्द किसे मालूम है? (Who knows this word?)'
- 'कृपया अपने हाथ ऊपर करें! (Put your hands up, please!) जिन्हें उत्तर मालूम है/जिन्होंने अपना काम पूरा कर लिया है! (Those who know the answer!/Those who have finished their work!) हाथ नीचे! (Hands down!)'
- हाँ, कृपया अंदर आइए। (Yes, come in, please.)'
- 'कृपया प्रतीक्षा करें। (Please wait.)'
- 'दूसरों को बोलने दीजिए! (Let the others speak!)'
- 'कृपया एक बार में कोई एक ही बोले। (One at a time, please.)'
- 'कृपया बोर्ड पर आकर तारीख लिखें। (Please come to the board and write the date.)'
- 'धन्यवाद। (Thank you.) कृपया अब अपनी जगह पर जाएँ। (Please go back to your place now.)'

- 'अपनी किताबें / कॉपियां खोलें। (Open your books/notebooks.) अपनी किताबें बंद करें। (Close your books.)'
- 'आप बाहर जा सकते हैं। (You may go out.)'
- 'कल मिलतें हैं। (See you tomorrow.)'

क्या ऐसे और भी अंग्रेज़ी भाषा के शब्द या वाक्य हैं, जिनका आप पहले से ही उपयोग करते हैं, लेकिन वे इस सूची में नहीं हैं?

अब इस सूची से उन वाक्यों को चुनें, जिनका आपने पहले उपयोग नहीं किया है। इन वाक्यों को ऊंची आवाज़ में बोलते हुए, घर पर या किसी साथी शिक्षक के साथ अभ्यास करें। देखें कि क्या आप वाक्यों को अलग तरीके से या बेहतर तरीके से बोल सकते हैं।

विद्यार्थियों के हावभाव से आपकी बात समझने में मदद मिलेगी। आप 'Open your books', और 'Come in' जैसे वाक्यों का अभिनय कैसे करेंगे? आप इन वाक्यों को हावभाव से बोलते हुए अभ्यास करें।

जब आप किसी वाक्यांश के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें, तो अपने विद्यार्थियों के साथ इसका प्रयोग करके देखें। आप अपने विद्यार्थियों के साथ जिन अंग्रेज़ी वाक्यांशों का प्रयोग करते हैं, हर सप्ताह उनकी संख्या क्रमशः बढ़ाते जाएँ। शुरुआत में यदि वे आपकी बातों के लिए उत्तर न भी दें, तो भी आप कोशिश जारी रखें – हावभाव के प्रयोग करने से विद्यार्थी धीरे–धीरे इन अंग्रेज़ी भाषा के वाक्यांशों को सीख जाएँगे।

केस स्टडी 1 में देखें कि किस तरह एक शिक्षक अपनी स्वयं की अंग्रेज़ी भाषा सुधारने की कोशिश करते हैं, ताकि वे अपने विद्यार्थियों के साथ अभ्यास कर सकें।

केस–स्टडी 1: श्री शर्मा अंग्रेज़ी भाषा का अभ्यास करते हैं

श्री शर्मा कक्षा तीन के विद्यार्थियों को सभी विषय पढ़ाते हैं। वे सभी पहली पीढ़ी के छात्र हैं। श्री शर्मा ने जब शिक्षक के रूप में अपनी नौकरी की शुरुआत की थी, तब अंग्रेज़ी भाषा *प्राथमिक स्तर पर नहीं पढ़ाई जाती थी। लेकिन कुछ वर्षों बाद राज्य सरकार ने कक्षा एक से ही अंग्रेज़ी* भाषा *पढ़ाने का निर्णय लिया। राज्य के सभी प्राथमिक शिक्षकों को अंग्रेज़ी भाषा पढ़ाने की पद्धति के बारे में पाँच दिनों का प्रशिक्षण दिया गया था।*

प्रशिक्षण के बाद भी मैं असुरक्षित महसूस करता था। अंग्रेज़ी भाषा का मेरा खुद का ज्ञान बहुत सीमित था और मैं अंग्रेज़ी भाषा बोलने में बहुत असहज महसूस करता था क्योंकि मुझे चिंता रहती थी कि मैं गलतियाँ कर रहा हूँ। मैंने हर दिन अंग्रेज़ी भाषा के रेडियो कार्यक्रम सुनना तय किया। मैंने अपनी पत्नी से यह भी कहा कि वह हर शाम मुझसे अंग्रेज़ी में बात किया करे क्योंकि उसकी अंग्रेज़ी भाषा मुझसे बेहतर थी।

मैंने अंग्रेज़ी भाषा के सरल वाक्यों जैसे How are you?, My name is Mahesh Sharma, I am a teacher और I live in Mandsaur को बोलने का अभ्यास करने के लिए इन वाक्यों को अपने मोबाइल फोन पर भी रिकॉर्ड कर लिया। मैं उसे फिर से चलाकर सुनता था, और इसें अधिक बेहतर करने के लिए खुद की आवाज़ में फिर से रिकॉर्ड करता था। मैं यह स्वीकार करता हूँ कि कभी–कभी मुझे इस तरह 'अभ्यास' करना कुछ मूर्खतापूर्ण लगता था, लेकिन मैंने पाया कि इससे सचमुच मेरी अंग्रेज़ी में सुधार हुआ और मैं अधिक आत्मविश्वासी महसूस करने लगा।

मैंने स्कूल के एक अन्य शिक्षक के साथ मिलकर हर दिन कक्षा में उपयोग होने वाले निर्देशों की एक सूची बनाई, उदाहरण के लिए: Sit down now, please, Everybody up, Can you come to the board?, I want you to make two lines और Can you make a big circle? मैंने घर पर इन निर्देशों को ऊंची आवाज़ और साफ़ लहजे में बोलकर अभ्यास किया। मैं कक्षा में अंग्रेज़ी में निर्देश देने लगा और ऐसा करते समय मैं धीमी गति से बोलता था तथा हावभावों (gestures) और क्रियाओं (action) का प्रयोग करता था।

विद्यार्थियों ने इस पर अच्छा उत्तर दिया। मैं कोशिश करता हूँ कि मैं अपनी या विद्यार्थियों से होने वाली गलतियों की चिंता न करूँ – मैं नहीं चाहता कि वे घबराकर इसमें भाग लेना ही छोड़ दें। मैं जानता हूँ कि जब भी हम कुछ नया सीखते हैं, तो गलतियाँ होती ही हैं। मैं इस बात को सुनिश्चित करने की कोशिश करता हूँ कि गलती करने पर सज़ा के बजाय उसे स्वीकार करने से मेरे छात्र पुरस्कृत महसूस करते हैं।

विचार कीजिए

- श्री शर्मा के लिए अंग्रेज़ी के स्त्रोत क्या थे?
- अपनी अंग्रेज़ी सुधारने के लिए श्री शर्मा और क्या कर सकते थे?
- अंग्रेज़ी भाषा का अभ्यास करने के लिए आप क्या करते हैं?

- आप किसके साथ अभ्यास कर सकते हैं?
- आप नियमित रूप से अंग्रेज़ी विद्यार्थियों के किन स्त्रोतों को सुन सकते हैं?

2 अधिक अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए कक्षा की दिनचर्या स्थापित करना

गतिविधि 2: अंग्रेज़ी का अपना प्रयोग बढाएँ

आप उन गतिविधियों के बारे में सोचें, जिन्हें नियमित रूप से अपनी कक्षा में कर सकते हैं और आप इन गतिविधियों से पहले, इनके दौरान और इनके बाद विद्यार्थियों से क्या कहते हैं। आप हिन्दी या स्थानीय भाषा में आमतौर पर जो भी कहते हैं, उस पर पुनः कार्य करें।

सारणी 1 की एक प्रति बनाएँ और आप जो भी कहेंगे, उसे दाईं तरफ लिख लें। हमने आपके लिए एक उदाहरण दिया है।

सारणी 1 *अंग्रेज़ी का अपना प्रयोग बढ़ाना।*

खेल खेलने की तैयारी करना	'Are you ready to start?'
पाठ शुरू करना	
पुस्तक का उपयोग करने के लिए निर्देश	
अनुशासन बनाए रखना	
पाठ समाप्त करना	
विद्यार्थियों को जाने के लिए व्यवस्थित करना	

इन वाक्यों को अंग्रेज़ी में ऊंची आवाज़ में, धीमी गति से और फिर ज़रा तेज़ गति से बोलने का अभ्यास करें। प्रत्येक निर्देश या टिप्पणी के लिए उपयुक्त हावभाव या क्रिया तय करें। किसी मित्र, रिश्तेदार या सहकर्मी के साथ अभ्यास करें।

जब आप आत्मविश्वास महसूस करें, तो अंग्रेज़ी के इन नये वाक्यों को कक्षा में बोलकर देखें। हावभाव का प्रयोग करें और विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी भाषा में या हिन्दी में या उनकी स्थानीय भाषा में उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

विद्यार्थियों का अभिवादन, अंग्रेज़ी में करने की आदत डालें और आप प्रतिदिन अपनी कक्षा में जो काम करते हैं उनके लिए निर्देश अंग्रेज़ी में दें।

विद्यार्थियों को अनुरोध के लिए 'thank you', 'please' और अन्य विनम्र शब्द बोलना सिखाएँ और इसके लिए उनसे बात करते समय आप स्वयं इन शब्दों का प्रयोग करें। साथ ही, उन्हें आपको और दूसरों को 'good morning', 'sorry' और 'excuse me' कहना; तथा प्रवेश करने, बाहर जाने या बोलने के लिए उपयुक्त अभिव्यक्तियों का प्रयोग करना सिखाएं – उदाहरण के लिए, 'May I ...?' और 'Can I ...?' कक्षा को साफ़–सुथरा रखने के बारे में बात करने, या उपस्थित विद्यार्थियों की संख्या गिनने के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करें। जब आप नियमित रूप से ये काम करते हैं, तो अंग्रेज़ी में आपका स्वयं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

जब आप विद्यार्थियों के अंग्रेज़ी सुनने और बोलने का मूल्यांकन करते हैं, तो शायद आप देखेंगे कि वे प्रत्येक शब्द का अर्थ नहीं जानते हुए भी सामान्य अर्थ समझ लेते हैं। उदाहरण के लिए, जब आप स्कूल का समय पूरा हो जाने पर हर दिन 'See you tomorrow' कहते हैं, तो विद्यार्थी इस वाक्यांश को अपना लेंगे। आप इसे जिस समय बोलते हैं, उसके कारण वे समझ सकते हैं कि यह 'Goodbye' कहने का एक तरीका है, लेकिन वे हर शब्द का अलग–अलग अर्थ नहीं जानते होंगे।

आप यह दर्ज कर सकते हैं कि कौन से विद्यार्थी बार–बार या नियमित रूप से सुने हुए शब्दों और वाक्यों को याद रखते हैं, और कौन–से विद्यार्थी नई परिस्थितियों में अपनी शिक्षा का उपयोग करने लगते हैं। जो विद्यार्थी 'See you tomorrow' को याद कर पाते हैं, वे शब्द 'tomorrow' सीख लेंगे और नए तरीकों से इसका उपयोग शुरू कर देंगे – उदाहरण के लिए, 'Tomorrow I go to the city' या वे 'See you' को 'Goodbye' कहने के एक तरीके के रूप में बोल सकते हैं।

आप इन अनौपचारिक, अनियोजित अवसरों का आकलन स्वाभाविक भाषा के अभ्यास के लिए कर सकते हैं। विद्यार्थियों के अंग्रेज़ी बोलने के प्रयास चाहे कितने ही छोटे क्यों न हों, लेकिन ऐसे सभी प्रयासों को प्रोत्साहित करके उनकी मदद करें। जब वे बोलते हैं, तो ध्यान से सुनने की कोशिश करें और छोटी त्रुटियों को सुधारने के लिए उन्हें बीच में न टोकें। मूल्यांकन के लिए, एक बड़ी कॉपी रखें, जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी के लिए एक या दो पन्ने हों। इसका उपयोग उपलब्धि के रिकॉर्ड रखने के लिए प्रमाण के रूप में करें। यह दर्ज करें कि कौन–से विद्यार्थी आसानी से और आत्मविश्वास से बोलते हैं और कौन से विद्यार्थी अभी भी बोलने में बहुत शर्माते हैं। शर्मीले विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी में कुछ कहने के अवसर दें और प्रोत्साहित करें तथा ऐसा करने पर उनकी प्रशंसा करें।

यदि आप ज्यादा विद्यार्थियों वाली कक्षा को पढ़ाते हैं, तो आप उनकी प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए जाँच सूचियों की एक सरल सारणी तैयार कर सकते हैं।

सारणी 2 विद्यार्थी *प्रगति जाँच सूची।*

विद्यार्थियों के नाम	कभी–कभी शब्दों का प्रयोग करता / करती है	कभी–कभी वाक्यों का प्रयोग करता / करती है	अक्सर शब्दों का प्रयोग करता / करती है	अक्सर वाक्यों का प्रयोग करता / करती है	बोलने में बहुत अधिक शर्माता / ती हैं

बोलने और सुनने के लिए कक्षा की दिनचर्या के महत्त्व के बारे में अधिक जानने के लिए संसाधन (talk for learning) *1,* 'सीखने के लिए बातचीत करना' देखें।

गतिविधि 3: कक्षा में खुद को रिकॉर्ड करें

अपना मोबाइल फोन अपनी कक्षा में ले जाएँ और किसी पाठ के पहले दस मिनट की बातें रिकॉर्ड करें, जिसमें आप आम तौर पर अंग्रेज़ी का प्रयोग करते हैं। (यह भाषा का ही पाठ होना आवश्यक नहीं है।)

आपने जो रिकॉर्ड किया है, उसे दोबारा दो या तीन बार सुनें और इन प्रश्नों के उत्तर दें:

- आपने कितनी अंग्रेज़ी भाषा बोली थी? आपने किन शब्दों या वाक्यांशों का प्रयोग किया था?
- क्या आपको यह देखकर आश्चर्य हुआ कि आपने कितनी अंग्रेज़ी भाषा बोली थी? यह आपके अनुमान से अधिक थी या कम?
- क्या विद्यार्थियों ने आपको उत्तर देते समय अंग्रेज़ी भाषा का प्रयोग किया था? आपको कैसे पता चला कि वे आपकी बात समझ गए हैं?
- क्या दस मिनटों के दौरान आपने हिन्दी या स्थानीय भाषा का प्रयोग भी किया था? आपने ऐसा कब और क्यों किया?
- उस भाग को सुनें, जहाँ आपने हिन्दी या स्थानीय भाषा का प्रयोग किया था। क्या अब आप वही बातें कहने के लिए अंग्रेज़ी शब्दों या वाक्यों के बारे में सोच सकते हैं? इन्हें लिख लें – यदि आप शब्दों के बारे में सुनिश्चित न हों, तो एक शब्दकोश का उपयोग करें, या किसी अन्य शिक्षक अथवा मित्र से पूछें। आपकी चुनौती अपनी कक्षा की दिनचर्या में अंग्रेज़ी भाषा के इन शब्दों का प्रयोग शुरू करना है।

3 भाषायी खेल (Language games)

कक्षा में दिनचर्या प्रस्तुत करने का एक तरीका भाषा के खेलों का प्रयोग करना है। केस स्टडी 2 में, एक नई शिक्षिका अपनी और अपने विद्यार्थियों की अंग्रेज़ी बोलने और सुनने की कुशलता को बढाने के एक तरीके के रूप में भाषा खेल प्रस्तुत करती हैं।

केस–स्टडी 2: सुश्री दीपा अंग्रेज़ी विद्यार्थियों के खेल प्रस्तुत करती हैं

सुश्री दीपा एक नई शिक्षिका थीं, जो अंग्रेज़ी के प्रति बहुत आत्मविश्वासी नहीं थीं। वे अपना कक्षा प्रबंधन कौशल भी बेहतर कराना चाहती थीं।

मैंने कक्षा में प्रतिदिन अंग्रेज़ी सुनने की एक गतिविधि करना तय किया, लेकिन यह मज़ेदार होनी चाहिए थी। मैंने खेल 'Do What I Say' [संसाधन 2 देखें] का परिचय कराया। इसमें सरल आदेशों का प्रयोग किया जाता है और यह आवश्यक होता है कि छात्र मेरी बातों को ध्यान से सुनें और वें उत्तर दें। शुरू में मैंने शब्दों के साथ हावभावों का प्रयोग किया। जब छात्र निर्देशों से परिचित हो गए, तो मैंने धीरे–धीरे केवल शब्द कहना शुरू कर दिया। कक्षा को इस पर अपना ध्यान केंद्रित करने में और मुझे साफ़ लहजे में बोलने में समय लगा।

इस खेल के साथ मैंने शिक्षक की अपनी भूमिका (निर्देश देना) पुनः स्थापित कर ली और विद्यार्थियों का ध्यान मेरे निर्देशों का पालन करने और उन्हें ध्यान से सुनने पर रहता था। उन्होंने सरल क्रियाओं और शरीर के अंगों के नाम सीख लिए और उन्हें इस खेल में बहुत मज़ा आया। मैं भी यह महसूस कर सकती थी कि निर्देशों का अभ्यास करते करते अंग्रेज़ी में मेरा खुद का आत्मविश्वास भी बढ़ रहा था।

मेरी कक्षा ज्यादा विद्यार्थियों वाली कक्षा थी, इसलिए मैंने सुनिश्चित किया कि सभी विद्यार्थी इस खेल को समझ जाएँ। मैंने आठ से दस विद्यार्थियों के छोटे–छोटे समूह बनाए। प्रत्येक समूह में एक विद्यार्थी 'शिक्षक' की भूमिका निभाता था और शेष समूह को निर्देश देता था। उन्हें यह देखकर अचंभा हुआ कि शेखर, जो कि आमतौर पर चुपचाप रहता है, इस खेल में बहुत उत्साह से भाग ले रहा था। मुझे अहसास हुआ कि हमने उसे 'धीमी गति से सीखने वाला' मान लिया था। शायद उसे यह अहसास हुआ होगा कि अंग्रेज़ी के मामले में हम सभी नौसिखिए ही थे – और इससे उसे अभ्यास करने का आत्मविश्वास मिला होगा।

एक दिन स्कूल के बाद मैं गाँव से गुज़र रही थी और मैंने देखा कि मेरे विद्यार्थियों का एक समूह अंग्रेज़ी में 'Do What I Say' खेल रहा था। वे अपने छोटे भाई–बहनों को यह खेल सिखा रहे थे। लेकिन मुझे चिंता हुई कि उनका उच्चारण और शब्दावली सटीक नहीं थी।

विचार कीजिए

- सुश्री दीपा ने इस खेल का प्रयोग भाषा की शिक्षा देने के लिए किया। इस खेल के अन्य लाभ कौन–से थे?
- क्या आपकी कक्षा में भी शेखर जैसे विद्यार्थी हैं? क्या आपको लगता है कि इस प्रकार के खेलों से उन्हें सहभागिता के अवसर मिलेंगे?
- इस बात का क्या महत्व है कि उनके विद्यार्थी स्कूल के बाद भी वह खेल खेल रहे थे और दूसरे बच्चों को सिखा रहे थे?
- क्या आप अपने विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विद्यार्थियों के किसी गेम का प्रयोग करतें है? यदि हाँ, तो क्या यह नियमित दिनचर्या है या ऐसा आप कभी–कभार ही करते हैं?
- सुश्री दीपा को अपनी चिंताओं के बारे में क्या करना चाहिए?

विद्यार्थी शब्दों और क्रियाओं वाले खेल खेलना पसंद करते हैं। अंग्रेज़ी भाषा सिखाने के लिए आप कक्षा में सरल भाषायी खेलों का प्रयोग कर सकते हैं। जब आप ऐसा करते हैं, तो आपका अंग्रेज़ी भाषा कौशल और आत्मविश्वास बेहतर होगा।

गतिविधि 4: अंग्रेज़ी भाषा के खेल
संसाधन 2 और संसाधन 3 के खेलों और गतिविधियों को अच्छी तरह पढ़ें। आप यह पठन किसी शिक्षक साथी के साथ भी साझा कर सकते हैं और विचारों का आदान–प्रदान कर सकते हैं। इन्हें पढ़ लेने के बाद, वह विकल्प चुनें, जिसे आप कक्षा में आज़माकर देखना चाहेंगे। किसी साथी शिक्षक के साथ या घर में किसी के साथ इन शब्दों और वाक्यांशों का अभ्यास करें। इस बारे में सोचें कि आप इस खेल के लिए कक्षा को किस प्रकार व्यवस्थित करेंगे। क्या आप इसे भीतर खेलेंगे या बाहर? क्या आप इस खेल में घर में बोली जाने वाली भाषाएँ शामिल करेंगे? आपने संसाधन 2 या संसाधन 3 से जो खेल चुना है, उसे अपने विद्यार्थियों के साथ आज़माकर देखें। जब वे एक खेल के साथ परिचित हो जाते हैं, तब आप अंग्रेज़ी के अभ्यास के लिए एक और नया खेल प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि विद्यार्थियों को कोई खेल पसंद आता है, तो उन्हें कक्षा के बाहर भी वह खेलने के लिए प्रेरित करें। सप्ताह का एक दिन भाषा संबंधी खेल के लिए रखें, या महीने में दो बार कोई खेल खेलें। इस बात का मूल्यांकन करें कि कौन–से विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुनते हैं, और कौन अच्छी तरह समझकर उत्तर दे सकते हैं, भले ही वे ऐसा अपने सिर को हिलाकर करते हों। ऐसे विद्यार्थियों के नाम दर्ज करें, जो अच्छे अनुमान लगाते हैं और जो अंग्रेज़ी में अपने स्वयं के प्रश्न या कथन बनाने की कोशिश करते हैं।

वीडियो: सीखने के लिए बातचीत करना

4 सारांश

इस इकाई में आपका परिचय सक्रिय और सहभागितापूर्ण भाषा सीखने से करवाया गया है, जो आपके लिए और उतना ही आपके विद्यार्थियों के लिए भी है,इसमें मुख्य भाषायी कौशल बोलने एवं सुनने पर बल दिया गया है जो कक्षा की दैनिक दिनचर्या में शामिल है।

अंग्रेज़ी को अच्छी तरह सीखने के लिए आपके विद्यार्थियों को अक्सर बोलने और सुनने का अभ्यास करना चाहिए – केवल भाषा के पाठ का नहीं। स्कूल में दिन भर अलग अलग समय पर अंग्रेज़ी का अपना प्रयोग बढ़ाने की कोशिश करें। आपकी कक्षा की दिनचर्या ऐसा करने के लिए नियमित अवसर प्रदान करती है।

इस विषय पर अन्य प्रारंभिक अंग्रेजी अध्यापक विकास इकाइयाँ हैं:

- *पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक रूप से प्रयोग करना*
- *गीत, कविताएँ और शब्द खेल*
- *रचनात्मक कला में अंग्रेज़ी सीखना*
- *अंग्रेज़ी और विषय सामग्री एकीकरण*
- *अंग्रेज़ी के लिए सामुदायिक संसाधन।*

संसाधन

संसाधन 1: सीखने के लिए बातचीत

सीखने के लिए बातचीत क्यों जरूरी है

बातचीत मानव विकास का वह हिस्सा है, जिससे सोचने–विचारने, सीखने और विश्व का बोध प्राप्त करने में हमे मदद मिलती है। लोग भाषा का प्रयोग तार्किक क्षमता, ज्ञान और बोध को विकसित करने के लिए औज़ार के रूप में करते हैं। अतः, विद्यार्थियों को उनके शिक्षण अनुभवों के भाग के रूप में बात करने के लिए प्रोत्साहित करने का अर्थ होगा उनकी शैक्षणिक प्रगति को बढ़वा देना होगा। सीखे गए विचारों के बारे में बात करने का अर्थ होता है:

- उन विचारों को परखा जाता है
- तार्किक क्षमता विकसित और सुव्यवस्थित की जाती है
- जिससे विद्यार्थी अधिक सीखते हैं।

किसी कक्षा में रटा–रटाया दोहराने से लेकर उच्च स्तर की चर्चा तक बच्चों से वार्तालाप के विभिन्न तरीके होते हैं।

कक्षा में शिक्षक की बातचीत का पारंपरिक तौर पर, दबदबा होता था और वह विद्यार्थियों की बातचीत या विद्यार्थियों के ज्ञान के मुकाबले अधिक मूल्यवान समझी जाती थी। यद्यपि सीखने के लिए बातचीत संबंधी पाठ योजनाओं के प्रयोग का उद्धेश्य विद्यार्थियों द्वारा अधिक बातचीत करते हुए सीखने के साथ–साथ उनके पूर्व अनुभव को जोड़ना है। यह किसी शिक्षक और उसके विद्यार्थियों के बीच प्रश्न और उत्तर सत्र से कहीं अधिक होता है क्योंकि इसमें विद्यार्थियों की अपनी भाषा, विचारों और रुचियों को ज्यादा समय दिया जाता है। हम में से अधिकांश कठिन मुद्दे के बारे में या किसी बात का पता करने के लिए किसी से बात करना चाहते हैं, और शिक्षक बेहद सुनियोजित गतिविधियों से इस सहज–प्रवृत्ति को बढ़ा सकते हैं।

कक्षा में शिक्षण गतिविधियों के लिए बातचीत की योजना बनाना

शिक्षण की गतिविधियों के लिए बातचीत की योजना बनाना महज साक्षरता और शब्दावली के लिए नहीं है, यह गणित एवं विज्ञान के काम तथा अन्य विषयों की योजना का हिस्सा भी है। इसे समूची कक्षा में, जोड़ी में कार्य करना (pair work) या समूह में कार्य (group work) में, आउटडोर गतिविधियों में, भूमिका पर आधारित गतिविधियों में, लेखन, वाचन, प्रायोगिक छानबीन और रचनात्मक कार्य में योजनाबद्ध किया जा सकता है।

यहां तक कि साक्षरता और गणना के सीमित कौशलों वाले नन्हें बच्चे भी उच्चस्तर श्रेणी के चिंतन कौशलों का प्रदर्शन कर सकते हैं, बशर्ते कि उन्हें दिया जाने वाला कार्य उनके पहले के अनुभव पर आधारित और आनंदप्रद हो। उदाहरण के लिए, विद्यार्थी आरेख या वास्तविक वस्तुओं से किसी कहानी, पशु या आकृति के बारे में पूर्वानुमान लगा सकते हैं। विद्यार्थी भूमिका निभाते समय कठपुतली या पात्र की समस्याओं के बारे में सुझावों और संभावित समाधानों को सूचीबद्ध कर सकते हैं।

जो कुछ आप विद्यार्थियों को सिखाना चाहते हैं, उसके इर्दगिर्द पाठ की योजना बनायें और इस बारे में सोचें, और साथ ही इस बारे में भी कि आप किस प्रकार की बातचीत को विद्यार्थियों में विकसित होते देखना चाहते हैं। कुछ प्रकार की बातचीत अन्वेषी होती है, उदाहरण के लिए: 'इसके बाद क्या होगा?', 'क्या हमने इसे पहले देखा है?', 'यह क्या हो सकता है?' या 'आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि वह यह है?' कुछ अन्य प्रकार की वार्ताएं ज्यादा विश्लेषणात्मक होती हैं, उदाहरण के लिए विचारों, साक्ष्य या सुझावों का आकलन करना।

इसे रोचक, मज़ेदार और सभी विद्यार्थियों के लिए संवाद में भाग लेना संभव बनाने की कोशिश करें। विद्यार्थियों को उपहास का पात्र बनने या गलत होने के भय के बिना दृष्टिकोणों को व्यक्त करने और विचारों का पता लगाने में सहज होने और सुरक्षित महसूस करने की जरूरत होती है।

बच्चों की बातचीत को आगे बढ़ाएं

शिक्षण के लिए वार्ता अध्यापकों को निम्न अवसर प्रदान करती हैः

- विद्यार्थी जो कहते हैं उसे सुनना
- विद्यार्थियों के विचारों की प्रशंसा करना और उस पर आगे काम करना
- इसे आगे ले जाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना।

सभी उत्तरों को लिखना या उनका औपचारिक आकलन नहीं करना है, क्योंकि वार्ता के जरिये विचारों को विकसित करना शिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपको उनके शिक्षण को प्रासंगिक बनाने के लिए उनके अनुभवों और विचारों का यथासंभव प्रयोग करना चाहिए। सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों से वार्ता अन्वेषी होती है, जिसका अर्थ होता है कि विद्यार्थी एक दूसरे के विचारों की जांच करते हैं और चुनौती पेश करते हैं ताकि वे अपने प्रत्युत्तरों को लेकर विश्वस्त हो सकें। एक साथ बातचीत करने वाले समूहों को किसी के भी द्वारा दिए गए उत्तर को स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। आप चुनौतीपूर्ण समझ को पूरा करने में समस्यात्मक प्रश्नों को माध्यम बना सकतें है। आपने ऐसा निर्णय क्यों किया?' या 'क्या आपको उस हल में कोई समस्या नजर आती है?' जैसे जांच वाले प्रश्नों के अपने प्रयोग के माध्यम से चुनौतीपूर्ण विचारशीलता को तैयार कर सकते हैं। आप विद्यार्थियों के समूहों को सुनते हुए कक्षा में घूम सकते हैं और ऐसे प्रश्न पूछकर उनकी विचारशीलता को बढ़ा सकते हैं।

अगर विद्यार्थियों की वार्ता, विचारों और अनुभवों की कद्र और सराहना की जाती है तो वे प्रोत्साहित होंगे। बातचीत करने के दौरान अपने व्यवहार, सावधानी से सुनने, एक दूसरे से प्रश्न पूछने, और बाधा न डालना सीखने के लिए अपने विद्यार्थियों की प्रशंसा करें। कक्षा में कमजोर बच्चों के बारे में सावधान रहें और उन्हें भी शामिल किया जाना सुनिश्चित करने के तरीकों पर विचार करें। कामकाज के ऐसे तरीकों को स्थापित करने में थोड़ा समय लग सकता है, जो सभी विद्यार्थियों को पूरी तरह से भाग लेने की सुविधा प्रदान करते हों।

विद्यार्थियों को खुद से प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें

अपनी कक्षा में ऐसा वातावरण तैयार करें जहां अच्छे चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछे जाते हैं और जहां बच्चों के विचारों को सम्मान दिया जाता है और उऩकी प्रशंसा की जाती है। विद्यार्थी प्रश्न नहीं पूछेंगे अगर उन्हें उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार को लेकर भय होगा या अगर उन्हें लगेगा कि उनके विचारों का मान नहीं किया जाएगा। विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित करना उनको जिज्ञासा दर्शाने के लिए प्रोत्साहित करता है, उनसे अपने शिक्षण के बारे में अलग ढंग से विचार करने के लिए कहता है और उनके नजरिए को समझने में आपकी सहायता करता है।

आप कुछ नियमित समूह या जोड़े में कार्य करने, या शायद विद्यार्थियों के प्रश्न पूछने का समय' जैसी कोई योजना बना सकते हैं ताकि विद्यार्थी प्रश्न पूछ सकें या स्पष्टीकरण मांग सकें। आपः

- अपने पाठ के एक भाग में 'अगर आपका प्रश्न है तो हाथ उठा के' नाम रख सकते हैं।
- किसी विद्यार्थी को हॉट–सीट पर बैठा सकते हैं और दूसरे विद्यार्थियों को उस विद्यार्थी से प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं जैसे कि वे पात्र हों, उदाहरणतः पाइथागोरस या मीराबाई
- जोड़ों में या छोटे समूहों में 'मुझे और अधिक बताएं' खेल खेल सकते हैं
- मूल पूछताछ का अभ्यास करने के लिए विद्यार्थियों को कौन/क्या/कहां/कब/क्यों वाले प्रश्न ग्रिड दे सकते हैं
- विद्यार्थियों के सप्ताह भर के प्रश्नों को सूचीबद्ध करते हुए प्रश्न की दीवार (Question wall) डिज़ाइन कर सकते हैं।

जब विद्यार्थियों प्रश्न पूछने और उन्हें मिलने वाले प्रश्नों के उत्तर देने के लिए मुक्त होते हैं तो उस समय आपको रुचि और विचारशीलता के स्तर को देखकर हैरानी होगी। जब विद्यार्थियों अधिक स्पष्टता और सटीकता से संवाद करना सीख जाते हैं, तो वे न केवल अपनी मौखिक और लिखित शब्दावलियां बढ़ाते हैं, अपितु उनमें नया ज्ञान और कौशल भी विकसित होता है।

संसाधन 2: अंग्रेज़ी भाषा के दो खेल

आप अपने विद्यार्थियों के साथ अंग्रेज़ी में सक्रिय रूप से सुनने को प्रोत्साहित कर सकते हैं और आपके द्वारा उपयोग की गई अंग्रेज़ी में लिए उत्तर देने का संकेत कर सकते हैं। आप इस बात का निरीक्षण कर सकते हैं कि आपकी बात को विद्यार्थी कितना समझते हैं। विद्यार्थी अपने साथियों को देखकर भी सीख सकते हैं। खेलों में, आप घर की भाषा और साथ ही अंग्रेज़ी का भी उपयोग कर सकते हैं, ताकि सहभागिता बढ़े।

'Do What I Say'

शिक्षक मौखिक निर्देश देते हैं और विद्यार्थी उन्हें सुनकर वे क्रियाएँ करते हैं।

सरल निर्देशों के साथ शुरुआत करें।

जब विद्यार्थी प्रगति करते जाते हैं, तो खेल को अधिक उन्नत बनाएँ। आप खेल को अलग अलग विषयों के लिए अनुकूलित भी कर सकते हैं।

- 'Touch your nose.'
- 'Touch your partner's back.'
- 'Hold up five fingers.'
- 'Point to someone who has long hair.'
- 'Put your pencil on the floor.'
- 'Put your pencil under the chair.'
- 'If you like mangoes, clap your hands.'
- 'If you don't like bananas, make a face.'
- 'If Delhi is capital of India, put up your hands.'
- 'If plants grow with the help of sunlight, nod your head.'

कुछ विद्यार्थी बेशक दूसरों की नकल करेंगे, लेकिन खेल का उद्देश्य यह है कि हर कोई अंग्रेज़ी को सुन रहा है और उत्तर दे रहा है। जैसा कि बच्चे यह करते हैं, वे शारीरिक वर्णनों के लिए शब्दावली, स्थितियाँ, पसंद और नापसंद, विशिष्ट विषयों के लिए भाषा, सामान्य ज्ञान के लिए भाषा आदि सीख सकते हैं।

जब आप अपनी कक्षा में इस तरह की गतिविधि का प्रयास करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप विद्यार्थियों और उनके ज्ञान के स्तर के अनुरूप क्रियाओं और परिस्थितियों को चुनें। आप अंग्रेज़ी से जुड़ी क्रियाओं का प्रदर्शन करके दिखा सकते हैं, विशेष रूप से जब ये नए शब्द हों, या जब विद्यार्थियों को कठिनाई हो रही हो। विद्यार्थियों को सुनने और उत्तर देने के लिए समय दें। उन्हें अंग्रेज़ी भाषा का उच्चारण करने की आवश्यकता नहीं है – उन्हें केवल यह दिखाना है कि वे आपकी बात समझते हैं। आप और विद्यार्थी खेल में सहभागिता को बढाने के लिए अंग्रेज़ी और घर की भाषा को मिला सकते हैं।

'Guess Who'

कक्षा को दो समूहों में बाँटें। समूह 1 को गुप्त रूप से किसी वस्तु या व्यक्ति के बारे में सोचना है; समूह 2 को प्रश्न पूछकर यह अनुमान लगाना है कि वह कौन व्यक्ति या क्या वस्तु है। समूह 1 केवल 'yes' या 'no' में उत्तर दे सकता है। एक शिक्षक के रूप में आपको प्रश्न पूछने में समूह 2 की मदद करनी चाहिए। यह खेल इस तरह तैयार करें:

ऐसी छः वस्तुओं और व्यक्तियों के बारे में सोचें, जिन्हें समूह 1 द्वारा गुप्त रूप से चुना जा सकता है – ये बच्चों की परिचित वस्तुएँ हो सकती हैं, जैसे कोई कुर्सी, टेबल, चम्मच, टिफिन बॉक्स, पानी की बोतल या पुस्तक। लोगों के लिए ये कोई व्यवसाय हो सकते हैं, जैसे डाकिया, ड्राइवर, रसोइया, शिक्षक, डॉक्टर, नर्स या पुलिसकर्मी। इसके बाद उन सभी शब्दों के बारे में सोचें, जिनका उपयोग करके इन वस्तुओं और लोगों का वर्णन किया जा सकता है। इसके बाद यह सोचें कि इन शब्दों का उपयोग करके किस तरह प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

समूह 1 को इन छः वस्तुओं या व्यक्तियों में से अपने राज़ के तौर पर कोई एक चुनने दें। समूह 1 के विद्यार्थियों को याद दिलाएँ कि सभी व्यवसायों में स्त्री और पुरुष दोनों ही हो सकते हैं। यहाँ कुछ उदारहण हैं:

- लोगों के लिए (डाकिया, ड्राइवर, रसोइया, शिक्षक, डॉक्टर, नर्स या पुलिसकर्मी):
  - 'Is it a man or a woman?'
  - 'Does the person wear a uniform?'
  - 'Is the uniform white?'
  - 'Does the person use chalk/a stethoscope/a thermometer/a bicycle?'
  - 'Does the person work in a hospital/school/kitchen/police station?'
- वस्तुओं के लिए (कुर्सी, टेबल, चम्मच, टिफिन बॉक्स, पानी की बोतल, और एक पुस्तक):
  - आकार से जुड़े शब्द: 'Is it big? Is it small?'
  - आकृति से जुड़े शब्द: 'Is it round? Is it square? Is it long?'
  - रंग से जुड़े शब्द: 'Is it white? Is it black? Is it coloured?'
  - सामग्री से जुड़े शब्द: 'Is it made of plastic/paper/wood/leather/steel?'
  - उपयोग–के शब्द: 'Is it used for writing/reading/cutting/keeping things?'
  - स्थान के शब्द: 'Is it here in your bag/in this room/in school/in every house?'

कक्षा में खेल खेलने से पहले, यह सबसे महत्वपूर्ण है कि आप खुद अंग्रेज़ी में इन शब्दों का अभ्यास करने के लिए समय निकालें। यदि संभव हो, तो किसी साथी शिक्षक को सहयोगी बनाकर उनके साथ 'Guess Who' खेलें।

संसाधन 3: अंग्रेज़ी में बोलने और सुनने को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियाँ

(यह कृष्ण कुमार की पुस्तक *विद्यार्थियों की भाषा और शिक्षक* से एक पैराग्राफ है।)

These are just some of the dozens of activities any teacher can organise in any ordinary classroom. Each time an activity is repeated with some little change, it will be received with even greater enthusiasm by the children than it got last time. So do each activity any number of times, adding something new each time. Keep a record of the variations so that you can introduce your innovations to a new colleague. Nearly each activity described here can become the starting point of a dozen variations.

1 'What Did You See?'

Stage 1: Ask one child to go out of the room, see what is happening outside, and tell the class what he saw. For instance, he might report that he saw a truck, two shops and a bicycle.

Stage 2: Now the rest of the children, preferably sitting in a circle, will ask him questions, one by one, and one question per child. For instance, a child may ask: 'What was hanging from the bicycle's handle?' The reply may be: 'A basket.' The next question may be, 'What colour was the basket?'

Stage 3: When one round of questioning is complete, the teacher will ask the child who has gone out: 'Who asked the best question?' Supposing he says, 'Shashi asked the best question; the teacher will ask: 'What was the question?'

Stage 4: The next round starts with Shashi. Ask her to see something that the earlier child had not seen. When she comes back, ask children to come up with new questions – not the ones they have already asked.

2 ‘Asking the Explorers’

Send a small group of children, no more than five or six, to study some specific object or place near the school or even inside the school building. For example, they may be sent to examine a cluster of trees, a tea stall, a broken bridge, or a nest. Ask them to explore it carefully and discuss among themselves everything they notice.

While the explorer group is away, tell the rest of the class about the object in some detail. For example, if the explorers have gone to examine a tea stall, tell the class about the things available at the stall, who runs it, where do the things available there come from, etc.

When the explorer group comes back, it will face questions from the class. The teacher can also have her turn. Next time, send a different group.

3 Guess What I Saw’

One child goes out, stands at the door or at some distance from the class, and selects one of the hundreds of things she sees around (it could be anything – tree, leaf, squirrel, bird, wires, pole, grass, stones). When she comes back, she says just one sentence about the thing she has in mind. For example, she might say, ‘What I saw is brown.’

Now every child in the class gets one chance to ask more about the thing and guess what it was. For example, questioning may go like this:

> Child 1: ‘Is it thin?’
>
> Answer: ‘No.’
>
> Child 2: ‘How big is it?’
>
> Answer: ‘It’s quite big.’
>
> Child 3: ‘Is it as big as a chair?’
>
> Answer: ‘No, it’s smaller than a chair.’
>
> Child 4: ‘Can it turn?’ …

Finally when the thing has been guessed correctly, some children may object to the answers they got for their questions. For instance, someone may point out that the colour was not brown but clay-like. In such situations, the teacher’s role is very important, as someone who can help children establish subtle distinctions between meanings.

4 ‘Doing What Was Said’

Ask children to listen and do what you tell them to do. Start with simple things to do, and ask the whole class to do them together. Examples:

> ‘Touch your head.’
>
> ‘Close your right eye.’
>
> ‘Clap on your head.’

Divide the class in two groups. The teacher will give instructions to the first group, and the children of this group will now give similar instructions to the second group. Gradually make your instructions more complicated, for example:

> 'Touch your head with both hands, then touch your right ear with your right hand.'

> 'Close both eyes, touch your neighbour, ask him to give you his left hand.'

When children of one group give instructions to the other group, they need not repeat everything they have heard. Encourage them to make up new instructions.

5 'Comparing'

Make sets of similar-looking things, such as leaves of two or more trees, flowers of different plants, stones, pieces of paper cut in different shapes, etc.

Ask children to listen to the description you give of one of the things in a set, and on the basis of the description they must decide which one you are thinking of. Example:

> 'I'm thinking of a leaf that is smooth and long, and it has even edges.'

After doing this activity a few times, ask children to take turns to choose and describe. Change things each time you do this activity. Identify more subtle features each time.

अतिरिक्त संसाधन

- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en
- 'Children talk their way into literacy' by Gordon Wells: http://people.ucsc.edu/~gwells/Files/Papers_Folder/Talk-Literacy.pdf
- Amritavalli, R. (2007) *English in Deprived Circumstances: Maximising Learner Autonomy*. Department of Linguistics, The English and Foreign Languages University, University Publishing Online. Foundation Books.

Cummins, J. (undated) 'BICS and CALP' (online), Jim Cummins' Second Language Learning and Literacy Development Web. Available from: http://iteachilearn.org/cummins/bicscalp.html (accessed 2 July 2014).

Cummins, J. (2000) *Language, Power, and Pedagogy: Bilingual Children in the Crossfire*. Bristol: Multilingual Matters.

Gibbons, P. (2002) *Scaffolding Language, Scaffolding Learning: Teaching Second Language Learners in the Mainstream Classroom*. Portsmouth, NH: Heinemann.

Krashen, S. (1981) *Second Language Acquisition and Second Language Learning*. Oxford: Pergamon Press.

Krashen, S. (1982) *Principles and Practice in Second Language Acquisition*. Oxford: Pergamon Press.

Kumar, K. (1986) *The Child's Language and the Teacher: A Handbook*. United Nations Children's Fund.

Mohan, B. (1986) *Language and Content*. Reading, MA: Addison-Wesley.

Mohan, B., Leung, C. and Davison, C. (eds) (2001) *English as a Second Language in the Mainstream: Teaching, Learning and Identity*. New York, NY: Longman.

Wells, G. (2009) *The Meaning Makers: Learning to Talk and Talking to Learn*, 2nd edn. Bristol: Multilingual Matters.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभारः

संसाधन 3: *विद्यार्थियों की भाषा और शिक्षक से परिच्छेदः एक हैंडबुक*, कृष्ण कुमार, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, 1986 (Resource 3: extracts from *The Child's Language and the Teacher: A Handbook,* Krishna Kumar, United Nations Children's Fund, 1986.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।